



प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (प्रधानमंत्री-KSY)

शुरू किया	1, जुलाई, 2015
आदर्श वाक्य	हर खेत को पानी
उद्देश्य	सुनिश्चित सिंचाई के तहत कृषि योग्य क्षेत्र का विस्तार पानी की बर्बादी को कम करने के लिए कृषि जल उपयोग दक्षता में सुधार करें सटीक सिंचाई और अन्य पानी की बचत प्रौद्योगिकियों को अपनाने में वृद्धि (प्रति बूंद अधिक फसल) सतत जल संरक्षण पद्धतियों आदि को बढ़ावा देना।
चल रही योजनाओं को मिलाकर तैयार किया गया	जल संसाधन मंत्रालय का त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) नदी विकास एवं गंगा संरक्षण (एमओडब्ल्यूआर, आरडी एंड जीआर) भूमि संसाधन विभाग (डीओएलआर) का एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम (आईडब्ल्यूएमपी-2009-10) कृषि एवं सहकारिता विभाग (डीएसी) के कृषि जल प्रबंधन (ओएफडब्ल्यूएम) पर।
वित्तीय परिव्यय	5 साल के लिए 50,000 करोड़ रुपये (2015-16 से 2019-20)
वार्षिक आवंटन	(2020-21) कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा पीएमकेएसवाई के प्रति बूंद अधिक फसल घटक के तहत 4000 करोड़ रुपये। (आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार अनंतिम आवंटन 3645 करोड़ है)
सूक्ष्म सिंचाई निधि	कुल -5000 करोड़ (माइक्रो इरिगेशन फंड नाबार्ड) 2017-18 के दौरान बनाया गया फंड के तहत 31 मार्च 2020 तक कुल 2841.57 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस फंड के तहत राज्य सरकारों को लोन मुहैया कराया जाएगा। ब्याज दर:3%



क्षेत्र कवर	46.96 लाख हेक्टेयर। पिछले पांच वर्षों (2015-16 से 2019-20) के दौरान, पीएमकेएसवाई-पीडीएमसी के माध्यम से कममाइक्रो सिंचाई
एंड्रॉयड ऐप	भुवन पीडीएमसी पीएमकेएसवाई के तहत बनाए गए हस्तक्षेपों/परिसंपत्तियों की जियो टैगिंग के लिए एनआरएससी, हैदराबाद के सहयोग से विकसित किया गया है। फील्ड डेटा संग्रह के लिए Drishti ऐप
कुल मंत्रालय	3 (तीन)
कुल घटक	4 (चार)

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना

घटनायें	घोषणा की: 5 जुलाई 2019 (केंद्रीय बजट 2019-20 भाषण में एफएम निर्मला सीतारमण द्वारा) लॉन्च किया गया – 10 सितंबर 2020 (बिहार में पीएम मोदी द्वारा)
उद्देश्य	<ul style="list-style-type: none">➤ मछली पालन क्षमता को काम में लाना➤ मछली उत्पादन को बढ़ाना➤ मछुआरों और मछली पालकों की आय और रोजगार को दोगुना करना➤ निर्यात बढ़ाने के लिए➤ 2024-25 तक 1 लाख करोड़ रुपये
मछली पालन क्षेत्र का विकास	<ul style="list-style-type: none">➤ वर्ष 2014-15 से 2018-19 तक वर्ष के दौरान 10.88%➤ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में जीवीए (2018-19): 1.24%➤ कृषि जीवीए (2018-19) का % हिस्सा: 7.28%
भारत में मछली उत्पादन	<ul style="list-style-type: none">➤ औसत वार्षिक वृद्धि दर: 7.53% (पिछले 5 वर्षों के दौरान)➤ ऑल टाइम हाई- 2018-19 के दौरान 137.58 लाख मीट्रिक टन➤ दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा जलकृषि और 4 सबसे बड़ा मछली निर्यातक राष्ट्र



घटक	<ul style="list-style-type: none">➤ मध्य क्षेत्र योजना (सीएस)➤ केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) कार्यान्वयन अवधि वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25
कुल अनुमानित निवेश	<ul style="list-style-type: none">❖ इसमें 20,050 करोड़ रुपये, 9407 करोड़ रुपये की केंद्रीय हिस्सेदारी, 4880 करोड़ रुपये की राज्य हिस्सेदारी और 5763 करोड़ रुपये के लाभार्थियों का योगदान शामिल है।❖ मछली पालन क्षेत्र में सर्वकालिक सर्वाधिक निवेश (20,050 करोड़) इच्छित लाभार्थी<ul style="list-style-type: none">➤ मछुआरे➤ मछली किसान➤ मछली श्रमिक और मछली विक्रेता➤ मत्स्य विकास निगम➤ मत्स्य पालन क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)/संयुक्त देयता समूह (जेएलजी)➤ मत्स्य पालन सहकारी समितियां➤ मत्स्य पालन महासंघ➤ उद्यमी और निजी फर्में➤ मछली किसान उत्पादक संगठन/कंपनियां (FFPOs/Cs)➤ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला/दिव्यांग व्यक्ति➤ राज्य सरकार/केंद्र और उनकी संस्थाओं सहित➤ राज्य मत्स्य विकास बोर्ड (एसएफडीबी)➤ केंद्र सरकार और उसकी संस्थाएं